AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में बीटेक, एमसीए और बीफार्मा की दूसरी कटऑफ जारी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने इंजीनियरिंग संकाय के बीटेक, एमसीए व बीफार्मा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए मंगलवार को दूसरी कटऑफ घोषित कर दी। पहले चरण की काउंसिलिंग के बाद प्रवेश विभाग ने चयनित व प्रतीक्षारत अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग के लिए कटऑफ लिस्ट जारी की है।

चयनितों की काउंसिलिंग 21 सितंबर को सुबह नौ से 11 बजे तक और प्रतीक्षारत अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग दोपहर एक से तीन बजे तक व 22 सितंबर को सुबह नौ से 11 बजे तक दूसरे परिसर में होगी। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने पत्र जारी कर कहा कि चयनित लॉगिन आईडी व पासवर्ड से सीट आवंटन का विवरण देखकर फीस ऑनलाइन जमा कर दें। शुल्क जमा करने वाले ही ऑटो अपग्रेडेशन प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे।

21 व 22 को होगी चयनित और प्रतीक्षारत अभ्यर्थियों की परिसर में काउंसिलिंग

प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सभी अभ्यर्थी मूल अंकपत्र, प्रमाणपत्र, आरक्षण संबंधी प्रपत्र के साथ फोटोकॉपी के साथ काउंसिलिंग स्थल पर समय से उपस्थित हों। अभ्यर्थी नेटबैंकिंग या डेबिट कार्ड से काउंसिलिंग के समय भी फीस जमा कर सकते हैं। जो अभ्यर्थी वेटिंग लिस्ट में हैं, उन्हें खाली सीटों के सापेक्ष प्रमाण पत्रों की जांच के बाद ही प्रवेश दिया जाएगा।

लविवि में एंटी रैगिंग समिति का गठन

लखनऊ। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने लविवि परिसर में रैगिंग रोकने के लिए मंगलवार को नौ सदस्यीय समिति गठित की। यह दोनों परिसर में रैगिंग संबंधी मामलों की सुनवाई करते हुए उन्हें निपटाएगी। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू को इसका अध्यक्ष बनाया गया है। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह, आर्ट्स कॉलेज के प्राचार्य प्रो. रतन कुमार सिंह, प्रो. मनीषा गुप्ता, प्रो. मो. अहमद, डॉ. कमर इकबाल, डॉ. ओपी शुक्ला, व प्रो. राजकुमार को समिति में सदस्य नामित किया गया है। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने पत्र जारी करते हुए यह भी कहा है कि इस संबंध पूर्व में जारी सभी आदेशों को संशोधित माना जाए। (संवाद)

गंगा, सीएसए हॉस्टल के सहायक प्रोवोस्ट नामित

लखनऊ। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह के अनुरोध पर लविवि कुलपति ने डॉ. शशि बाला को सीएसए छात्रावास और डॉ. प्रांती श्रीवास्तव को गंगा छात्रावास का सहायक प्रोवोस्ट नामित किया है। रजिस्ट्रार विनोद सिंह ने इसका आदेश जारी करते हुए जानकारी दी। (संवाद)

विश्वविद्यालय ने जारी किए कोर्सों के परिणाम

लखनऊ। लविवि ने मंगलवार को एमबीए दूसरे सेमेस्टर और बीए ऑनर्स चौथे सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम घोषित किए। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर विस्तृत परिणाम देख सकते हैं। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 6

उपलब्धि | बीटेक छात्र एलेक्स के स्टार्टअप को मिला प्रोजेक्ट, 900 डॉक्टरों के डाटा से बनाएंगे वेबसाइट

एलयू छात्र बनाएंगे मेडिकल कॉलेज की साइट

■ शाश्वत मिश्रा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के विद्यार्थी विवि को गौरवान्वित महसूस करवा रहे हैं। कंप्यूटर साइंस विभाग के छात्र एलेक्स इटवाल के स्टार्टअप वेबक्रास कंसल्टेंसी की सफलता से विवि का नाम भी बुलंदियों पर पहुंच रहा है।

बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र एलेक्स इटवाल के स्टार्टअप को हरियाणा के कुरुक्षेत्र के सरकारी मेडिकल कॉलेज की एलुमिनाई एसोसिएशन की वेबसाइट बनाने का प्रोजेक्ट मिला है। छात्र को 900 डॉक्टरों का डाटा इकट्ठा कर

एलेक्स इटवाल, छात्र, एलयू

स्टार्टअप में यह छात्र हैं शामिल

एलेक्स के स्टार्टअप में हर क्षेत्र की अलग-अलग भूमिका तय है। कुल आठ सदस्यों की टीम में अभिषेक चौरसिया ऐप और अभिषेक त्रिपाठी वेबसाइट बनाने का जिम्मा है। शशांक कुमार के पास यूआई या यूएक्स और ग्राफिक डिजाइनिंग का काम है। छात्र रवि वर्मा फोटोग्राफी व डॉक्यूमेंटेरियन और वीडियो एडिटिंग व कंटेंट तैयार करने का काम जनमेजय सिंह के पास है। वहीं हर्षित पाल स्टार्टअप के पब्लिक रिलेशन मैनेजर और अक्षत कश्यप डिजिटल मार्केटिंग व मेटा एड एक्सपर्ट हैं।

वेबसाइट तैयार करनी होगी। एलेक्स इटवाल ने बताया कि 1973 में स्थापित श्री कृष्णा आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज की एलुमिनाई मीट 23 सितंबर को है। यह मीट 50 वर्षों में पहली बार हो रही है। मेडिकल कॉलेज से पढ़कर निकल चुके लगभग 900 डॉक्टरों का डाटा इकट्ठा कर वेबसाइट बनाने का काम है। यह काम थोड़ा कठिन है लेकिन मुझे विवि में चुनौतियों से लड़ना ही सिखाया गया है। एलेक्स का कहना है कि एलुमिनाई एसोसिएशन की वेबसाइट बनाने, सोशल मीडिया, पोस्टिंग, डोमेन, एड रन से लेकर सर्विस चार्ज तक का कार्य कर रहे हैं। एलेक्स के अनुसार, स्टार्टअप बिजनेस टू बिजनेस मॉडल पर काम करता है। साफ्टवेयर डेवलेपमेंट, साफ्टवेयर सीआरएम, वेबसाइट एंड ऐप डेवलेपमेंट, वेबसाइट डिजाइनिंग एड रनिंग एंड मार्केटिंग का कार्य कर रहे हैं।

एमबीए दूसरे सेमेस्टर के नतीजे जारी

लखनऊ। एलयू में सम सेमेस्टर परीक्षा के तहत एमबीए एंटरप्रन्योरशिप एंड फैमिली बिजनेस, फाइनेंस एंड कंट्रोल, मार्केटिंग, इंटरनेशनल बिजनेस, ह्यूमन रिसोर्स के दूसरे सेमेस्टर का परीक्षाफल घोषित कर दिया गया है। इसी तरह बीए ऑनर्स हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर का रिजल्ट भी जारी हुआ है। छात्र-छात्राएं एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर रिजल्ट देख सकते हैं।

एलयू में क्लास वन अफसर जान रहें ग्रहों की चाल

लखनऊ। लखनऊ विवि में अहम पदों से रिटायर, कार्य कर रहे लोगों ने ग्रह, नक्षत्र, तारों की पढ़ाई शुरू कर दी है। कई अभ्यर्थियों ने ज्योतिर्विज्ञान विभाग के परास्नातक कार्यक्रम में एडमिशन लिया है। एलयू में 18 अक्टूबर, 2001 को ज्योतिर्विज्ञान विभाग की स्थापना हुई थी। यहां स्नातक, परास्नातक स्तर में 30-20 सीटें हैं। यह विभाग स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम में संचालित है।

ग्रह-नक्षत्र, तारों की चाल की गणना सीख रहे क्लास वन अफसर

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। ग्रह-नक्षत्र, तारों की चाल की गणना सीखने का क्रेज बढ़ता जा रहा है। लखनऊ विश्वविद्यालय के ज्योतिर्विज्ञान विभाग में आम विद्यार्थियों के साथ बड़े अधिकारी तक ज्योतिष का ज्ञान ले रहे हैं। इनमें सैन्य व समीक्षा अधिकारी के अलावा करीब दस रिटायर्ड क्लास वन अफसर भी हैं।

लविवि के ज्योतिर्विज्ञान विभाग में स्नातक और परास्नातक के कोर्स चलते हैं। इसमें होरा फलित ज्योतिष में सिखाया जाता है कि किस ग्रह का क्या प्रभाव पड़ेगा। सिद्धांत में ग्रह-नक्षत्रों की चाल का अध्ययन कराया जाता है। इसके अलावा संहिता में प्रकृति में होने वाली घटनाओं भूकंप, अतिवर्षा आदि के बारे में शिक्षा दी जाती है। यूजी में 30 और पीजी में 21 सीटें हैं। यह विभाग स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम के तहत संचालित है।

शिक्षक डॉ. अनिल पोरवाल ने बताया कि लविवि में ज्योतिर्विज्ञान विभाग की स्थापना 18 अक्तूबर 2001 को तत्कालीन राज्यपाल विष्णुकांत शास्त्री ने की थी। इस सत्र में दाखिला लेने वालों में रिटायर्ड पीसीएस अफसर डॉ. प्रतिभा त्रिपाठी, एलआईसी में उच्च श्रेणी सहायक रहे केपी सिंह, रिटायर्ड कर्नल एचएन कौशल, उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण निगम के पूर्व चेयरमैन डॉ. संदीप शुक्ला हैं। पीजी में 21 अभ्यर्थियों ने प्रवेश लिया है। स्ववित्तपोषित पर चलने वाले विभाग को नियमित करने के लिए कई प्रस्ताव भेजे गए, लेकिन यह अभी ठंडे बस्ते में हैं।

लविवि के ज्योतिर्विज्ञान विभाग में पढ़ने वालों में दस सेवानिवृत्त अधिकारी भी

> प्राचीन काल से ज्योतिर्विज्ञान का अध्ययन
>
> ज्योतिर्विज्ञान का अध्ययन प्राचीन काल से चल रहा है। इसे पहले गणित के तौर पढ़ाया जाता था। लविवि इसकी शिक्षा देने की दिशा में सकारात्मक प्रयास कर रहा है, जिसके अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। - डॉ. सत्यकेतु, समन्वयक ज्योतिर्विज्ञान विभाग

i-NEXT PAGE 4

एलएलबी में बनाना होगा प्रोजेक्ट

एलयू के एलएलबी तीन व पांच वर्षीय नए पाठ्यक्रम में कई चीजें हुई शामिल

LUCKNOW (19 Sept) : लखनऊ विश्वविद्यालय ने एलएलबी के नए पाठ्यक्रम में छात्र-छात्राओं के लिए कई चीजें शामिल की हैं. तीन वर्षीय कोर्स के छठे सेमेस्टर और पांच वर्षीय कोर्स के 10वें सेमेस्टर में छात्र-छात्राओं को किसी एक विषय पर प्रोजेक्ट/डेजरटेशन तैयार करना होगा. इसकी प्रस्तुति के साथ वायवा भी देना होगा. इसके लिए सौ नंबर निर्धारित किए गए हैं. छठे सेमेस्टर में लीगल रिसर्च मैथड का नया पेपर भी पढ़ना होगा.

तीन ग्रुप का प्रविधान

एलयू में विधि संकाय के डीन प्रोफेसर बीडी सिंह ने बताया कि तीन व पांच वर्षीय नए पाठ्यक्रम के अंतर्गत तीन वर्षीय पांचवें सेमेस्टर में अब छात्र-छात्राओं के लिए तीन ग्रुप का प्रविधान

कर दिया गया है. इसमें कांस्टीट्यूशनल ला ग्रुप, क्रिमिनल ला ग्रुप व बिजनेस ला ग्रुप शामिल है. विद्यार्थी को कोई एक ग्रुप लेना होगा. इस ग्रुप में दो पेपर में से भी एक का चयन करना होगा. छठे सेमेस्टर में भी यही प्रविधान होगा. उन्होंने बताया कि पांच वर्षीय एलएलबी कोर्स के सातवें व आठवें सेमेस्टर में इलेक्टिव ग्रुप के रूप में यही ग्रुप होंगे. विद्यार्थी सातवें सेमेस्टर में जिस ग्रुप का चयन करेगा, वही आठवें सेमेस्टर में भी लेना होगा.

पांचवें सेमेस्टर में भी इंटर्नशिप, दो नए पेपर शामिल

अभी तक एलएलबी तीन वर्षीय कोर्स के छठे सेमेस्टर में मूट कोर्ट था. अब पांचवें सेमेस्टर में कर दिया गया है. इसके अलावा तीसरे सेमेस्टर के साथ-साथ अब पांचवें सेमेस्टर में भी 21 से 30 दिन की इंटर्नशिप अनिवार्य होगी. एलएलबी पांच वर्षीय पांचवें, सातवें और नवें सेमेस्टर में इंटर्नशिप होगी. नवें सेमेस्टर में लीगल रिसर्च मैथड पेपर जोड़ा गया है. 10वें सेमेस्टर में प्लीडिंग ड्राफ्टिंग एंड कन्वेंसिंग नाम से प्रैक्टिकल के नाम से कोर पेपर भी जोड़ा गया है.

एलयू में एलएलबी के लिए सत्यापन

एलयू ने एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश पाने वाले जो छात्र-छात्राएं फीस जमा कर चुके हैं, उन्हें विधि संकाय में अपने अभिलेख सत्यापन के निर्देश दिए गए है.

नई एंटी रैगिंग कमेटी गठित

लखनऊ विश्वविद्यालय ने नए शैक्षिक सत्र 2023-24 में कैंपस के अंदर रैगिंग की रोकथाम के लिए नौ सदस्यीय एंटी रैगिंग कमेटी का गठन कर दिया है. कमेटी के अध्यक्ष चीफ प्राक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी हैं. सदस्य के रूप में डीएसडब्ल्यू प्रो. संगीता साहू, चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह, आर्ट्स कालेज के प्राचार्य डा. रतन कुमार, प्रो. मनीषा गुप्ता, प्रो. मो. अहमद, डा. इकबाल, डा. ओपी शुक्ला व प्रो. राजकुमार शामिल है.

दो सहायक प्रोवोस्ट बने

लखनऊ विश्वविद्यालय ने दो शिक्षकों को असिस्टेंट प्रोवोस्ट की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी है. रसायन विज्ञान विभाग की डा. शशिबाला को चंद्रशेखर आजाद हास्टल और फार्मेसी की डा. प्रकृति श्रीवास्तव को गंगा हास्टल का असिस्टेंट प्रोवोस्ट बनाया है. कुलपति के आदेश पर कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है.

विद्यार्थियों को ध्यान, मुद्रा के बारे में बताया

लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) में अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग के इंग्लिश थिएटर ग्रुप की ओर से चल रही सात दिवसीय 'थिएटर का परिचय' कार्यशाला का मंगलवार को समापन हो गया. प्रतिभागियों को ध्वनि उपचार और ध्यान, नाटक निर्माण, अभिनय में मूवमेंट और शरीर की सही मुद्रा, शारीरिक गतिविधियों एवं थिएटर के विभिन्न पहलुओं के बारे में विशेषज्ञों ने जानकारी दी. कार्यशाला की अध्यक्षता विभाग की प्रमुख प्रोफेसर एम प्रियदर्शनी ने की. संयोजक के रूप में डा. विनीत मैक्सवेल डेविड व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे.

एलयू में हुई थिएटर कार्यशाला

LUCKNOW : लखनऊ यूनिवर्सिटी में अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग के इंग्लिश थिएटर ग्रुप की ओर से थिएटर का परिचय कार्यशाला का आयोजन हुआ. कार्यशाला में ध्वनि उपचार और ध्यान, नाटक निर्माण और शारीरिक गतिविधियों सहित थिएटर के अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की गई. पहले दिन साउंड हीलिंग और मेडिटेशन के लिए अभिजीत सिंह, प्रफुल्ल त्रिपाठी ने स्टूडेंटस को बारीकियां बताईं. कार्यशाला में स्नातक से लेकर पीएचडी तक 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया.

JAGRAN CITY PAGE III

एलएलबी के छात्रों को बनाना होगा प्रोजेक्ट, मिलेंगे सौ नंबर

लवि के एलएलबी तीन व पांच वर्षीय नए कोर्स में कई चीजें शामिल

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने एलएलबी के नए पाठ्यक्रम में छात्र-छात्राओं के लिए कई चीजें शामिल की हैं। तीन वर्षीय कोर्स के छठे सेमेस्टर और पांच वर्षीय कोर्स के 10वें सेमेस्टर में छात्र-छात्राओं को किसी एक विषय पर प्रोजेक्ट/डेजरटेशन तैयार करना होगा। इसकी प्रस्तुति के साथ वायवा भी देना होगा। इसके लिए सौ नंबर निर्धारित किए गए हैं। छठे सेमेस्टर में लीगल रिसर्च मैथड का नया पेपर भी पढ़ना होगा।

लवि में विधि संकाय के डीन प्रोफेसर बीडी सिंह ने बताया कि तीन व पांच वर्षीय नए पाठ्यक्रम के अंतर्गत तीन वर्षीय पांचवें सेमेस्टर में अब छात्र-छात्राओं के लिए तीन ग्रुप का प्रविधान कर दिया गया है। इसमें कांस्टीट्यूशनल ला ग्रुप, क्रिमिनल ला ग्रुप व बिजनेस ला ग्रुप शामिल है। विद्यार्थी को कोई एक ग्रुप लेना होगा। इस ग्रुप में दो पेपर में से भी एक का चयन करना होगा। छठे सेमेस्टर में भी यही प्रविधान होगा। उन्होंने बताया कि पांच वर्षीय एलएलबी कोर्स के सातवें व आठवें सेमेस्टर में इलेक्टिव ग्रुप के रूप में यही ग्रुप होंगे। विद्यार्थी सातवें सेमेस्टर में जिस ग्रुप का चयन करेगा, वही आठवें सेमेस्टर में भी लेना होगा।

पांचवें सेमेस्टर में भी इंटर्नशिप, दो नए पेपर शामिल : अभी तक एलएलबी तीन वर्षीय कोर्स के छठे सेमेस्टर में मूट कोर्ट था। अब पांचवें सेमेस्टर में कर दिया गया है। इसके अलावा तीसरे सेमेस्टर के साथ-साथ अब पांचवें सेमेस्टर में भी 21 से 30 दिन की इंटर्नशिप अनिवार्य होगी। एलएलबी पांच वर्षीय पांचवें, सातवें और नवें सेमेस्टर में इंटर्नशिप होगी। नवें सेमेस्टर में लीगल रिसर्च मैथड पेपर जोड़ा गया है। 10वें सेमेस्टर में प्लीडिंग ड्राफ्टिंग एंड कन्वेंसिंग नाम से प्रैक्टिकल के नाम से कोर पेपर भी जोड़ा गया है।

लवि में एलएलबी के लिए सत्यापन

लखनऊ विश्वविद्यालय ने एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश पाने वाले जो छात्र-छात्राएं फीस जमा कर चुके हैं। उन्हें विधि संकाय में अपने अभिलेख सत्यापन के निर्देश दिए गए हैं। विधि संकाय के डीन प्रोफेसर बीडी सिंह ने बताया कि एलएलबी प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं शुरू हो गई हैं। इसलिए छात्र-छात्राएं कक्षा में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।

नई एंटी रैगिंग कमेटी गठित

लखनऊ : लखनऊ विवि ने नए शैक्षिक सत्र 2023-24 में कैंपस के अंदर रैगिंग की रोकथाम के लिए नौ सदस्यीय एंटी रैगिंग कमेटी का गठन कर दिया है। कमेटी के अध्यक्ष चीफ प्राक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी हैं। सदस्य के रूप में डीएसडब्लू प्रो. संगीता साहू, चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप, आर्ट्स कालेज के प्राचार्य डा. रतन कुमार, प्रो. मनीषा, प्रो. मो. अहमद, डा. इकबाल, डा. ओपी शुक्ला व प्रो. राजकुमार शामिल हैं। (जाग)

दो सहायक प्रोवोस्ट बने

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने दो शिक्षकों को असिस्टेंट प्रोवोस्ट की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी है। रसायन विज्ञान विभाग की डा. शशिबाला को चंद्रशेखर आजाद हास्टल और फार्मेसी की डा. प्रकृति श्रीवास्तव को गंगा हास्टल का असिस्टेंट प्रोवोस्ट बनाया है। कुलपति के आदेश पर कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। (जाग)

मुद्रा के बारे में बताया

लखनऊ : लखनऊ विवि में अंग्रेजी व आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग के इंग्लिश थिएटर ग्रुप की ओर से चल रही सात दिवसीय "थिएटर का परिचय" कार्यशाला का मंगलवार को समापन हो गया। प्रतिभागियों को ध्वनि उपचार और ध्यान, नाटक निर्माण, अभिनय में मूवमेंट और शरीर की सही मुद्रा, शारीरिक गतिविधियों एवं थिएटर के विभिन्न पहलुओं के बारे में विशेषज्ञों ने जानकारी दी। कार्यशाला में प्रमुख प्रोफेसर एम प्रियदर्शनी, डा. विनीत व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। (जाग)

AMRIT VICHAR PAGE 4

बीटेक, एमसीए और बीफार्मा की दूसरी काउंसलिंग 21 से

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों बीटेक, एमसीए और बीफार्मा की प्रवेश प्रक्रिया के तहत दूसरी काउंसलिंग कल से होगी। काउंसलिंग विवि के जानकीपुरम स्थित द्वितीय परिसर में सुबह 9 से 11 बजे तक और 1 से 3 बजे तक होगी। दूसरी ओर एमएससी बाटनी, एमएससी माइक्रोबायोलाजी, डी फार्मा और एमबीए की कटऑफ लिस्ट जारी की गई है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने मंगलवार को एमबीए द्वितीय सेमेस्टर ओर बीए आनर्स छठे सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया।

एंटी रैगिंग समिति गठित

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने एंटी रैगिंग समिति का गठन किया गया है। नौ सदस्यीय समिति में प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रो. संगीता साहू, प्रो. अनूप कुमार सिंह, डॉ. रतन कुमार, प्रो. मनीष गुप्ता, प्रो. मोहम्मद अहमद, डॉ. कमर इकबाल, डॉ. ओपी शुक्ला और प्रो. राजकुमार को रखा गया है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

थिएटर के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग के इंग्लिश थिएटर ग्रुप ने थिएटर का परिचय जैसी व्यापक और ज्ञानवर्धक

लविवि में थिएटर का परिचय कार्यशाला का समापन

सात दिवसीय कार्यशाला का सफल समापन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को ध्वनि उपचार और ध्यान, नाटक निर्माण एवं शारीरिक गतिविधियों सहित थिएटर के विभिन्न पहलुओं की समृद्ध समझ प्रदान करना रहा। जिसमें सत्रों का संचालन प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा किया गया। कार्यशाला के पहले दिन साउंड हीलिंग और मेडिटेशन के लिए अभिजीत सिंह (प्रमाणित ट्रेनर और साउंड हीलर),प्ले प्रोडक्शन,एक्टिंग इन लाइफ,वॉयस के लिए प्रफुल्ल त्रिपाठी(अभिनेता,निर्देशक,लेखक और अभिनय कोच)शामिल रहे। कार्यशाला में स्नातक से लेकर पीएचडी तक 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का विचार थिएटर और मंच की गतिशीलता की एक कार्यात्मक समझ शुरू करना था। जिससे अंग्रेजी थिएटर समूह के हिस्से के रूप में भविष्य के मंच प्रस्तुतियों और प्रदर्शनों को आगे बढ़ाया जा सके। कार्यशाला को प्रतिभागियों से अत्यधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिन्होंने सत्र को अत्यधिक व्यावहारिक और मूल्यवान पाया। प्रतिभागियों ने कहा कि कार्यशाला ने थिएटर के बारे में उनकी समझ को समृद्ध किया और उन्हें अपने नाटकीय कौशल को बढ़ाने के लिए व्यावहारिक ज्ञान और तकनीक प्रदान की। इस कार्यशाला की सफलता भविष्य में इसी तरह के शैक्षिक प्रयासों को जारी रखने और विस्तार करने को प्रोत्साहित करती है। कार्यक्रम संयोजक डॉ.विनीत मैक्सवेल डेविड एवं अध्यक्षता प्रो.एम प्रियदर्शनी, प्रमुख अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग ने की।